# Daily Current Affairs

Date : 01 October, 2025

UTKARSH CLASSES
CIVIL SERVICES

## अनुक्रमणिका

| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट में राजस्थान |
| 2. | राजस्थान के 12 शहरों में वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्र |
| 3. | राजस्थान से ऊंट निर्यात से प्रतिबंध हटा |
| 4. | वल्लभ नगर में 'ब्रुसेलोसिस और लेप्टोस्पाइरोसिस' के मामले |
| 5. | स्क्वाड्रन लीडर प्रिया शर्मा |
| 6. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. देसीगो स्टार्टअप : राजस्थान<br>2. राजस्थान के संदीप चौधरी और सुंदर सिंह गुर्जर को रजत पदक<br>3. ISSF वर्ल्ड कप में राजस्थान को 2 पदक<br>4. चाणक्य एक्सीलेंस इन मीडिया एजुकेशन अवॉर्ड : प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू<br>5. सुमंगल दीपावली मेला<br>6. राहुल चाहर : काउंटी क्रिकेट<br>7. जैसलमेर में पहली बार दिखा 'व्हाइट स्टॉर्क' |
| 7. | अकॉस्टिक व्हीकल अलर्टिंग सिस्टम (AVAS) |
| 8. | कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व |
| 9. | ओज़ोन प्रदूषण |
| 10. | स्वदेशी 4G स्टैक |
| 11. | देश का पहला एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान एवं देखभाल केंद्र |
| 12. | सोडार (SODAR) |
| 13. | पीएम ई-ड्राइव योजना |
| 14. | वेज एंड मीन्स एडवांस (WMA) |
| 15. | भारत का राजकोषीय घाटा |
| 16. | सबकी योजना, सबका विकास अभियान |
| 17. | अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस : 1 अक्टूबर |
| 18. | विश्व पर्यटन दिवस, 2025 : 27 सितम्बर |
| 19. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. RBI की नई योजना<br>2. ICAO की परिषद में भारत, पुनः निर्वाचित |

# राजस्थान परिदृश्य

## नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट में राजस्थान

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) द्वारा देश में वर्ष 2023 के दौरान हुए अपराधों की रिपोर्ट जारी की गई।

NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU
National Crime Records Bureau
Ministry of Home Affairs

### मुख्य बिन्दु:

- **रिपोर्ट का शीर्षक :** क्राइम इन इंडिया – 2023
- रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में प्रति एक लाख महिला जनसंख्या पर अपराध दर 66.2 रही, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 114.8 रहा।
- **राजस्थान का स्थान :** तेलंगाना (124.9) के बाद दूसरा।
- महिलाओं के खिलाफ समस्त प्रकार के अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक केस (66,381) दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र (47,101) का स्थान है।
- **राजस्थान का स्थान :** उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद तीसरा। (राजस्थान में कुल 45,450 केस दर्ज)

- वर्ष 2023 में बच्चों पर अपराध के देश भर में 1.77 लाख केस दर्ज हुए, वहीं राजस्थान में 10,577 केस दर्ज हुए।
- **राजस्थान का स्थान :** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद चौथा।
- वर्ष 2023 में देश में दुष्कर्म के कुल 29,670 मामले दर्ज किए गए। सर्वाधिक मामले राजस्थान और उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए।
- **राजस्थान का स्थान :** दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान (5,078 केस) का पहला स्थान है।
- ₹500 के नकली नोटों की जब्ती में राजस्थान और असम का संयुक्त रूप से प्रथम स्थान रहा।
- **राजस्थान का स्थान :** राजस्थान में 500 रुपए के 38,087 नकली नोट जब्त किए, जिनकी कीमत 1.9 करोड़ रुपए थी।
- **आर्थिक अपराध में राजस्थान का स्थान :** प्रथम (27,675 केस दर्ज)
- **समस्त प्रकार के अपराधों में राजस्थान का स्थान :** उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश और दिल्ली के बाद छठा स्थान।
- देश के शहरों में होने वाले अपराधों के मामले में जयपुर का चौथा स्थान रहा। जयपुर में 29,971 आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए।
- ज्ञातव्य है कि 'नेशनल एनुअल रिपोर्ट एंड इंडेक्स ऑन वुमेंस सेफ्टी (NARI) 2025' में भी राजधानी जयपुर को महिलाओं के लिए सबसे कम सुरक्षित शहरों की सूची में रखा गया था।

**फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**

**नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB)**

- **स्थापना :** वर्ष 1986 में।
- **नोडल मंत्रालय :** केन्द्रीय गृह मंत्रालय।
- **मुख्यालय :** नई दिल्ली।
- **उद्देश्य :** अपराध डेटा एकत्र करना और विश्लेषण के साथ-साथ अपराधों और अपराधियों का पता लगाने में जाँचकर्ताओं की सहायता करना।
- NCRB की स्थापना टंडन समिति, राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।

# राजस्थान के 12 शहरों में वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्र

## चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश के 12 शहरों में 15 सतत् परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्र) स्थापित किए जाएंगे।

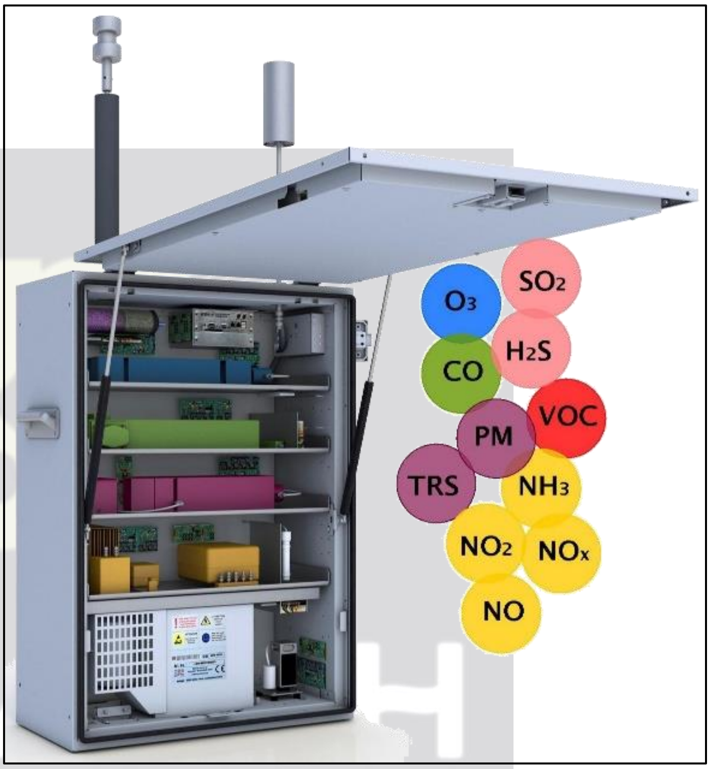

## मुख्य बिन्दु:

- वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्रों की स्थापना का कार्य सबसे पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में शामिल शहरों; अलवर, खैरथल, कोटपूतली और डीग में शुरू होगा।
- इसके बाद शेष 11 सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (CAAQMS) केन्द्र उदयपुर, कोटा, ब्यावर, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर और अजमेर के किशनगढ़ में स्थापित किए जाएंगे।
- वर्तमान में राज्य में 34 जिलों में 46 वायु गुणवत्ता केन्द्रों द्वारा वायु प्रदूषण पर निगरानी की जा रही है।
- ये केन्द्र वायु प्रदूषण के स्तर की सटीक और वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वायु गुणवत्ता की निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।
- राजधानी जयपुर में वायु प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए चार नए वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्र स्थापित किए जाएंगे, जिसके बाद शहर में कुल दस केन्द्र कार्यरत होंगे।

UTKARSH CIVIL SERVICES

- ये वायु गुणवत्ता जाँच केन्द्र PM2.5, PM10, सल्फर डाइऑक्साइड (SO2), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO2) और कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) सहित अन्य प्रदूषक तत्वों की निगरानी करेंगे।

**फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**

**राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)**

- **लॉन्च :** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा 24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 130 शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से जनवरी, 2019 में।
- **NCAP का शुरुआती लक्ष्य :** वर्ष 2017 को आधार वर्ष मानते हुए वर्ष 2024 तक प्रमुख वायु प्रदूषकों; PM2.5 और PM10 की सांद्रता को 20 से 30 प्रतिशत तक कम करना था।
- लेकिन वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने इस कार्यक्रम के लक्ष्य में संशोधन कर दिया। नये लक्ष्य के मुताबिक वर्ष 2026 तक पार्टिकुलेट मैटर (MP) की सांद्रता में 40 प्रतिशत तक की कमी करना है।
- **PM2.5 -** 40 माइक्रोग्राम (µg)/प्रति घन मीटर।
- **PM10 -** 60 माइक्रोग्राम (µg)/प्रति घन मीटर।
- **'NCAP 2.0' कार्यक्रम :** वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) का पहला चरण समाप्त हो जायेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय इस कार्यक्रम का दूसरा चरण लागू करेगा।

# राजस्थान से ऊंट निर्यात से प्रतिबंध हटा

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य से ऊंट के दूसरे राज्यों में निर्यात, परिवहन एवं पशु मेलों में परिवहन पर लगे प्रतिबंधों को हटाया गया।

## मुख्य बिन्दु:

- इससे ऊंट पालकों को अन्य राज्यों में ऊंट चराने, डेयरी एवं कृषि कार्य करने तथा पशु मेलों में ले जाना आसान होगा।
- नए नियम के मुताबिक ऊंट के परिवहन को लेकर जिला कलेक्टर के साथ-साथ अब सक्षम अधिकारी के रूप में SDM को भी अधिकृत किया जा सकेगा।
- हालांकि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही ऊंटों का निर्यात और परिवहन किया जा सकेगा। नियमों के उल्लंघन पर राजस्थान ऊंट (वध निषेध और अस्थायी प्रवास या निर्यात विनियमन) अधिनियम, 2015 के तहत कार्रवाई होगी।
- ऊंट को मारने पर 7 साल तक की सजा है। अवैध परिवहन, तस्करी पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और ₹3,000 से 25,000 तक के जुर्माने का प्रावधान है।

### ऊंट की वैधानिक स्थिति:

- राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम, 2015 को राज्य में ऊंटों की घटती आबादी को रोकने और उनके संरक्षण के लिए बनाया गया था।
- इस अधिनियम के मुख्य प्रावधानों में ऊंटों के वध, मांस के लिए उनका निर्यात और राज्य के बाहर अवैध परिवहन पर प्रतिबंध शामिल हैं।
- यह अधिनियम ऊंटों के अस्थायी प्रवास को भी विनियमित करता है।
- **अधिनियम का मुख्य उद्देश्य :** राजस्थान में ऊंटों की आबादी को बढ़ाना और उनके संरक्षण को सुनिश्चित करना।

## फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **उष्ट्र संरक्षण योजना :** पशुपालन विभाग द्वारा राज्य पशु ऊँट के पशुपालकों को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के उद्देश्य से उष्ट्र संरक्षण योजना के तहत दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को ₹10,000 से बढ़ाकर ₹20,000 कर दिया गया है।
- **राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र :** बीकानेर।
- **राष्ट्रीय ऊंट दौड़ चैम्पियनशिप :** 6 जुलाई, 2025 को पुष्कर में 'राष्ट्रीय ऊंट दौड़ चैम्पियनशिप 2025' के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया।
- **अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव :** बीकानेर में प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव का आयोजन किया जाता है।
- **राज्य पशु :** ऊंट आबादी के संरक्षण, संवर्द्धन और अवैध शिकार की रोकथाम के उद्देश्य से राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2014 में ऊंट को आधिकारिक रूप से राज्य पशु घोषित किया गया।

### राज्य में पशुधन:

- पशु गणना-2019 के तहत राज्य में कुल 568.01 लाख पशुधन और 146.23 लाख कुक्कुट पक्षियों की संख्या दर्ज की गई।
- राज्य देश के कुल पशुधन का लगभग 10.60 प्रतिशत हिस्सा रखता है।
- इसमें देश के 7.24 प्रतिशत गौवंश, 12.47 प्रतिशत भैंस, 14 प्रतिशत बकरियाँ, 10.64 प्रतिशत भेड़ और 84.43 प्रतिशत ऊँट शामिल हैं।
- वर्ष 2022-23 में, राज्य ने राष्ट्रीय उत्पादन में 14.44 प्रतिशत दूध उत्पादन और 47.98 प्रतिशत ऊन उत्पादन का योगदान दिया।

UTKARSH CIVIL SERVICES

# वल्लभ नगर में 'ब्रुसेलोसिसिस और लेप्टोस्पाइरोसिसिस' के मामले

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, उदयपुर के वल्लभ नगर में 94 सैंपल में से 31 लोगों में 'ब्रुसेलोसिसिस और लेप्टोस्पाइरोसिसिस' जैसी जूनोसिस बीमारियों के पॉजिटिव केस दर्ज किए गए।

## मुख्य बिन्दु:

- ज्ञातव्य है कि उदयपुर के वल्लभनगर में पशुधन अनुसंधान केंद्र है, जो राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (RAJUVAS) के अधीन आता है।

### ब्रुसेलोसिस:

- **कारण :** ब्रुसेला बैक्टीरिया के कारण।
- **संचरण :** बिना पाश्चुरीकृत दूध या पनीर का सेवन करने से या संक्रमित पशु उत्पादों या शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आने से।
- **लक्षण :** बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द, थकान और मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द।
- **नोट :** केंद्र सरकार का वर्ष 2030 तक देश से खुरपका, मुंहपका रोग और ब्रुसेलोसिस का उन्मूलन करने का लक्ष्य है।

### लेप्टोस्पायरोसिस:

- **कारण :** लेप्टोस्पाइरा बैक्टीरिया के कारण।
- **संचरण :** दूषित पानी, मिट्टी या पशु मूत्र के संपर्क में आने से।
- **लक्षण :** तेज़ बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, लाल आँखें और मांसपेशियों/जोड़ों में दर्द शामिल हो सकते हैं।

### अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **जूनोटिक रोग (पशुजन्य रोग) :** जूनोटिक रोग एक संक्रामक रोग है जो जानवरों और मनुष्यों के बीच प्राकृतिक रूप से फैलता है और वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक जैसे रोगजनकों के कारण होता है। ये रोग, जिन्हें जूनोसिस भी कहा जाता है, वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करते हैं।
- **उदाहरण :** कोविड-19, इबोला, रेबीज, बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा), साल्मोनेलोसिस आदि।

## स्क्वाड्रन लीडर प्रिया शर्मा

### चर्चा में क्यों?

- झुँझुनूँ निवासी स्क्वाड्रन लीडर प्रिया शर्मा ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह के साथ मिग-21 की अंतिम सॉर्टी में भाग लिया।

### मुख्य बिन्दु:

- प्रिया शर्मा दिसंबर, 2018 में वायु सेना में सातवीं महिला पायलट के रूप में शामिल हुई थीं। वे अपने बैच में कमीशन पाने वाले 35 फाइटर पायलटों में एकमात्र महिला पायलट थी।
- भारतीय वायुसेना में 62 वर्ष तक सेवाएं देने के बाद हाल ही में चंडीगढ़ में मिग-21 को सेवानिवृत्त कर दिया गया। मिग-21 के छह विमानों का बेड़ा पहली बार 1963 में चंडीगढ़ में लैंड हुआ था।

**राजस्थान की अन्य महिला फाइटर पायलट :**

**स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह**

- झुँझुनूँ जिले के पापड़ा गांव (उदयपुरवाटी) की स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह राजस्थान की पहली महिला फाइटर पायलट है।
- वह मई, 2024 में तेजस उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट बनीं।

**स्क्वाड्रन लीडर वीना साहरण**

- रतनपुरा (चूरू) निवासी स्क्वाड्रन लीडर वीना साहरण भारतीय वायुसेना के सबसे बड़े परिवहन विमान आईएल-76 उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट है।

# ✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **देसीगो स्टार्टअप : राजस्थान**<br>■ राजस्थान के स्टार्टअप 'देसीगो (DesiGo)' द्वारा राज्य में दूध की बोतलों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) टैग लगाने का कार्य किया जाएगा।<br>■ देसीगो आईस्टार्ट-पंजीकृत स्टार्टअप है, जिसने TiE विमन राजस्थान 2025 का खिताब जीता और राजस्थान डिजीफेस्ट एक्स TiE ग्लोबल समिट 2026 में भाग लेगा। |
| 2. | **राजस्थान के संदीप चौधरी और सुंदर सिंह गुर्जर को रजत पदक**<br>■ हाल ही में, राजस्थान के संदीप चौधरी और सुंदर सिंह गुर्जर ने 'वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप' की भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।<br>■ संदीप ने 62.67 मीटर के साथ F-44 श्रेणी में रजत पदक जीता। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने 64.76 मीटर के साथ F-46 श्रेणी में रजत पदक हासिल किया। |
| 3. | **ISSF वर्ल्ड कप में राजस्थान को 2 पदक**<br>■ नई दिल्ली स्थित डॉ. करणीसिंह शूटिंग रेंज में आयोजित ISSF वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन शूटिंग चैंपियनशिप में राजस्थान के दीपेंद्र सिंह शेखावत और विनय प्रताप सिंह चंद्रावत ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।<br>■ 50 मीटर राइफल प्रॉन पोजीशन : दीपेंद्र सिंह शेखावत (रजत पदक)<br>■ शॉटगन ट्रैप : विनय प्रताप सिंह चंद्रावत (कांस्य पदक) |
| 4. | **चाणक्य एक्सीलेंस इन मीडिया एजुकेशन अवॉर्ड : प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू**<br>■ प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू को हाल ही में पब्लिक रिलेशन्स काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से नेशनल चाणक्य मीडिया जर्नलिज्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। |

| | |
|---|---|
| **5.** | **सुमंगल दीपावली मेला**<br>■ राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा 1 से 12 अक्टूबर, 2025 तक 'सुमंगल दीपावली मेला' का आयोजन किया जा रहा है।<br>■ **आयोजन स्थल :** इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर। |
| **6.** | **राहुल चाहर : काउंटी क्रिकेट**<br>■ हाल ही में, इंग्लैंड की सरे काउंटी ने राजस्थान के राहुल चाहर को हैम्पशायर के खिलाफ होने वाले काउंटी चैम्पियनशिप मैच के लिए अपनी टीम में शामिल किया।<br>■ राजस्थान के शमशेर सिंह काउंटी क्रिकेट खेलने वाले पहले खिलाड़ी थे। |
| **7.** | **जैसलमेर में पहली बार दिखा 'व्हाइट स्टॉर्क'**<br>■ हाल ही में, जैसलमेर के धौलिया गांव में पहली बार 'व्हाइट स्टॉर्क' की उपस्थिति दर्ज की गई।<br>■ व्हाइट स्टॉर्क (सिकोनिया सिकोनिया) एक सफेद पक्षी है, जिसके काले पंख, लाल चोंच और लाल पैर होते हैं।<br>■ यह एक प्रवासी पक्षी है, जो सितंबर में भारत आता है और अप्रैल तक प्रस्थान करता है।<br>**राजस्थान के अन्य प्रवासी पक्षी :**<br>■ साइबेरियन सारस।<br>■ डेमोइसेल क्रेन (कुरजा)।<br>■ ग्रेटर फ्लेमिंगो।<br>■ ह्यूबरारा बस्टर्ड।<br>■ व्हाइट स्टॉर्क (सफेद सारस)। |

## राष्ट्रीय परिदृश्य

# अकॉस्टिक व्हीकल अलर्टिंग सिस्टम (AVAS)

### चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक मसौदा अधिसूचना में कहा कि 1 अक्टूबर, 2026 से सभी नए निजी और वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन में अकॉस्टिक व्हीकल अलर्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा।**

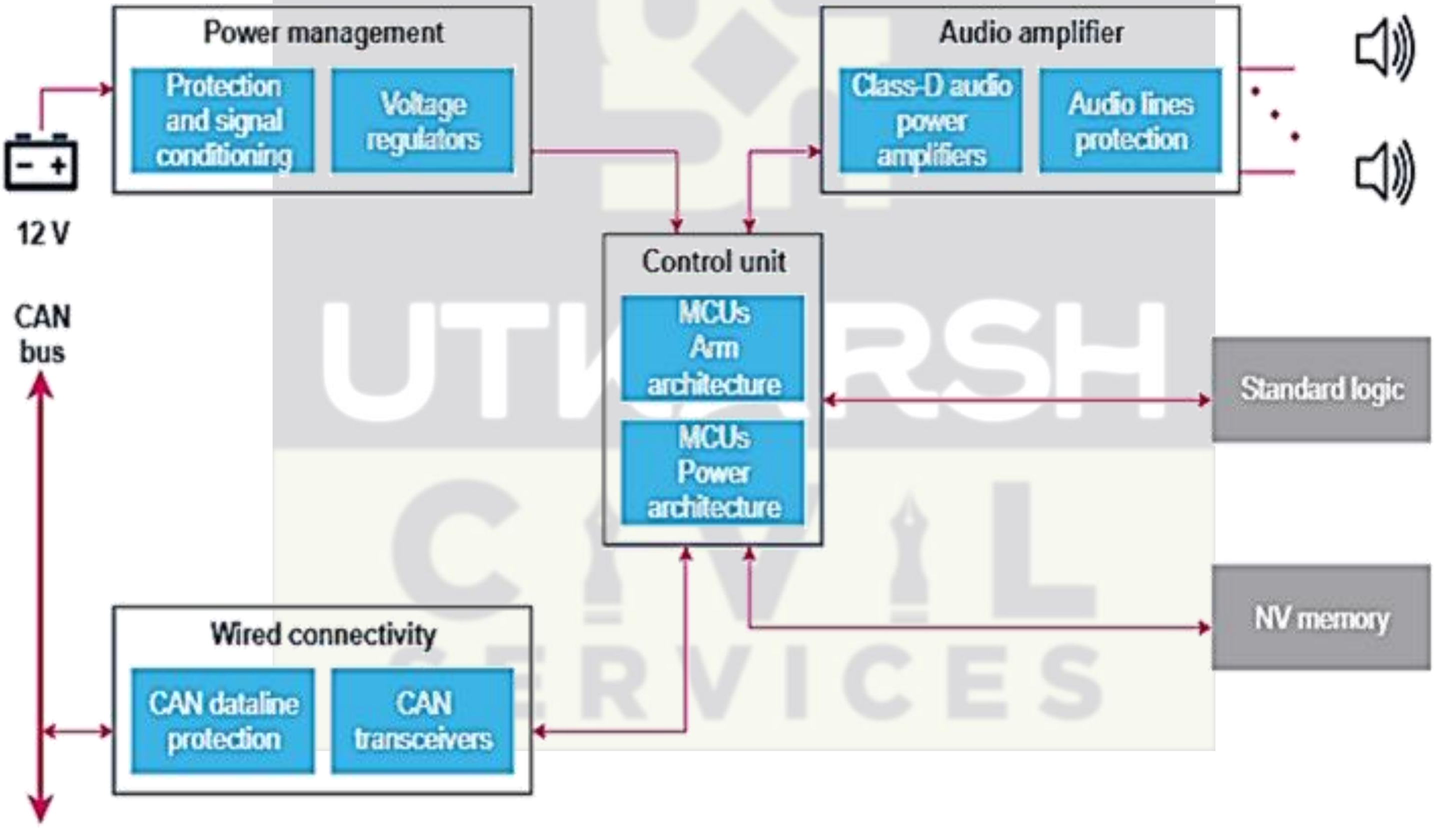
Power management
Protection and signal conditioning
Voltage regulators
Audio amplifier
Class-D audio power amplifiers
Audio lines protection
12 V
CAN bus
Control unit
MCUs Arm architecture
MCUs Power architecture
Standard logic
NV memory
Wired connectivity
CAN dataline protection
CAN transceivers

### मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य: पैदल चलने वालों को चेतावनी देना है कि पास में कोई इलेक्ट्रिक वाहन आ रहा है, क्योंकि ये वाहन आवाज नहीं करते और कई बार दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं।**

**अकॉस्टिक व्हीकल अलर्टिंग सिस्टम:**

- **यह इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) में लगाई गई सुरक्षा प्रणाली है। वाहन में बाहर लगा स्पीकर वाहन की गति के अनुसार अलग-अलग आवाजें निकालता है, ताकि पैदल यात्रियों को उनकी मौजूदगी का पता चल सके।**

## पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

### कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व

**चर्चा में क्यों?**

- **यूनेस्को ने भारत के कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व को 26 नए स्थलों के साथ अपने वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ़ बायोस्फीयर रिजर्व (WNBR) में शामिल किया है।**

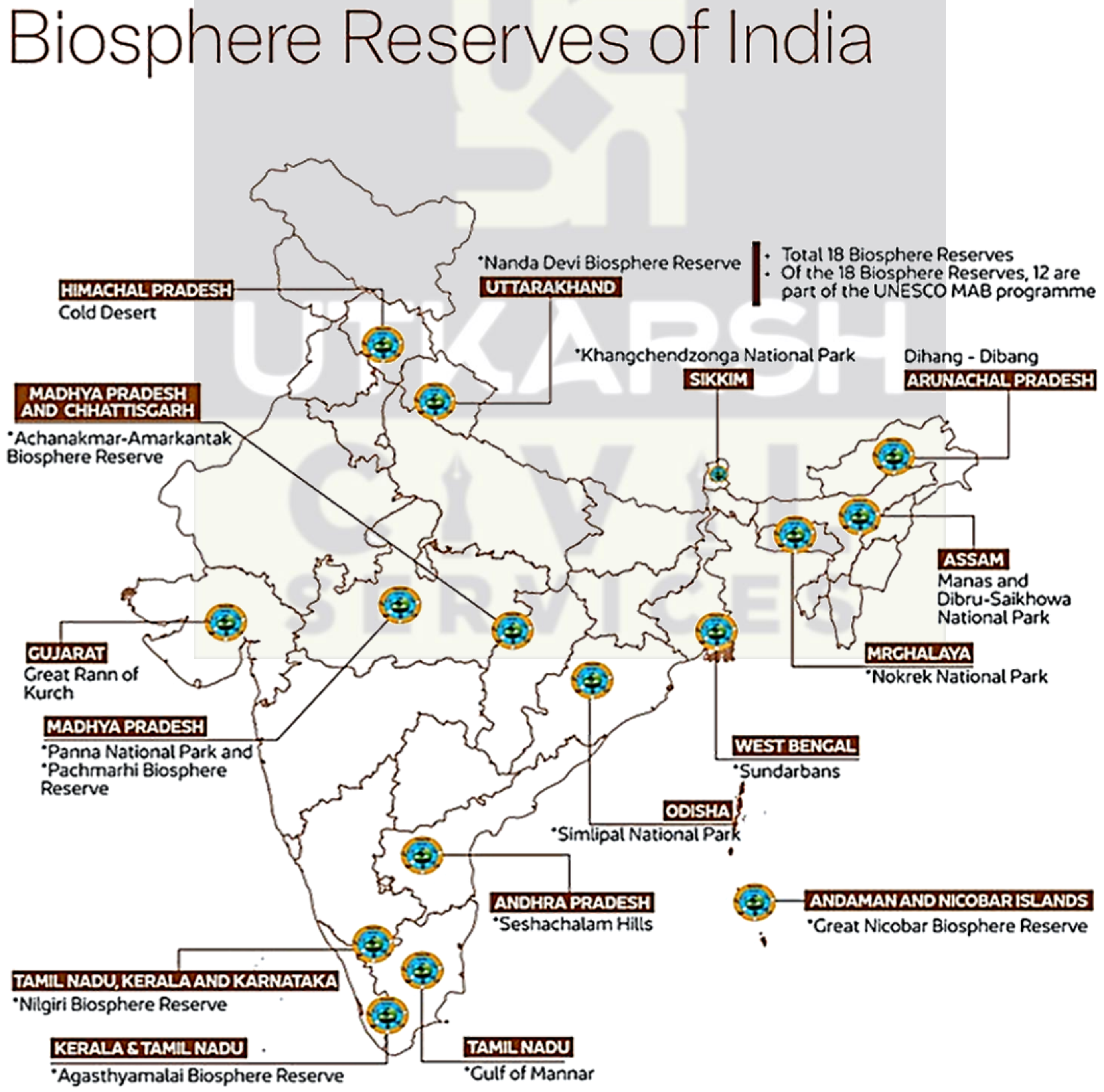
Biosphere Reserves of India
HIMACHAL PRADESH
Cold Desert
•Nanda Devi Biosphere Reserve
UTTARAKHAND
• Total 18 Biosphere Reserves
• Of the 18 Biosphere Reserves, 12 are part of the UNESCO MAB programme
MADHYA PRADESH AND CHHATTISGARH
•Achanakmar-Amarkantak Biosphere Reserve
•Khangchendzonga National Park
SIKKIM
Dihang - Dibang
ARUNACHAL PRADESH
ASSAM
Manas and Dibru-Saikhowa National Park
MRGHALAYA
•Nokrek National Park
GUJARAT
Great Rann of Kurch
MADHYA PRADESH
•Panna National Park and
•Pachmarhi Biosphere Reserve
WEST BENGAL
•Sundarbans
ODISHA
•Simlipal National Park
ANDHRA PRADESH
•Seshachalam Hills
ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
•Great Nicobar Biosphere Reserve
TAMIL NADU, KERALA AND KARNATAKA
•Nilgiri Biosphere Reserve
KERALA & TAMIL NADU
•Agasthyamalai Biosphere Reserve
TAMIL NADU
•Gulf of Mannar

## मुख्य बिन्दु:

- इस नामांकन के बाद भारत के कुल 13 बायोस्फीयर रिजर्व यूनेस्को नेटवर्क का हिस्सा बन गए हैं। दुनिया भर में ऐसे स्थलों की संख्या बढ़कर अब 785 हो गई है।
- मध्य अफ्रीका का द्वीपीय राष्ट्र साओ टोमे एंड प्रिंसिपे पहला देश बन गया है, जिसका पूरा क्षेत्र बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया है।

### कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व:

- **अवस्थिति:** यह भारत का पहला उच्च ऊंचाई वाला शीत मरुस्थल बायोस्फीयर रिजर्व है। यह यूनेस्को के WNBR में शामिल सबसे शीत और शुष्क पारितंत्रों में से एक है।
- यह हिमालय में स्थित है और उत्तर में लद्दाख (लेह एवं कारगिल जिलों) से लेकर दक्षिण में किन्नौर (हिमाचल प्रदेश में स्पीति घाटी व किन्नौर जिले) तक फैला हुआ है।
- **संरक्षित क्षेत्र:** इसमें पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान और उसके आसपास का क्षेत्र तथा चंद्रताल एवं सरचू और किब्बर वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
- **बायोम:** यह शीत मरुस्थल बायोम का निर्माण करता है। यहां चरम जलवायु दशाएं पाई जाती हैं, जिसका कारण हिमालय के पवन विमुख ढलान पर अवस्थिति (जो इसे वृष्टि छाया क्षेत्र बनाता है) और बहुत अधिक ऊंचाई है।
- **संस्कृति:** यहां बौद्ध संस्कृति पाई जाती है।
    - गोम्पा (बौद्ध मठ), चोर्टेन (स्तूप) और मणि दीवारें (पत्थरों की लंबी व चौड़ी कतार जैसी संरचनाएं) मिलती हैं।
    - इसके अलावा, लद्दाख की बौद्ध मंत्रोच्चारण परंपरा यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में दर्ज है।
- **जीव-जंतु:** हिम तेंदुआ, हिमालयी आईबेक्स, ब्लू शीप (भरल), हिमालयी भेड़िया, गोल्डन ईगल आदि।

### वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ़ बायोस्फीयर रिजर्व (WNBR):

- **शुरुआत:** WNBR की स्थापना वर्ष 1976 में की गई थी। इसका प्रबंधन यूनेस्को के "मैन एंड बायोस्फियर (MAB)" प्रोग्राम के तहत किया जाता है।
- MAB कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1971 में की गई थी। यह एक अंतर-सरकारी वैज्ञानिक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य मनुष्य और पर्यावरण के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक आधार तैयार करना है।

# ओज़ोन प्रदूषण

## चर्चा में क्यों?

- CPCB की रिपोर्ट के अनुसार देश में ओज़ोन (O3) प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) है। इसके बाद दूसरे स्थान पर मुंबई महानगर प्रदेश (MMR) है।

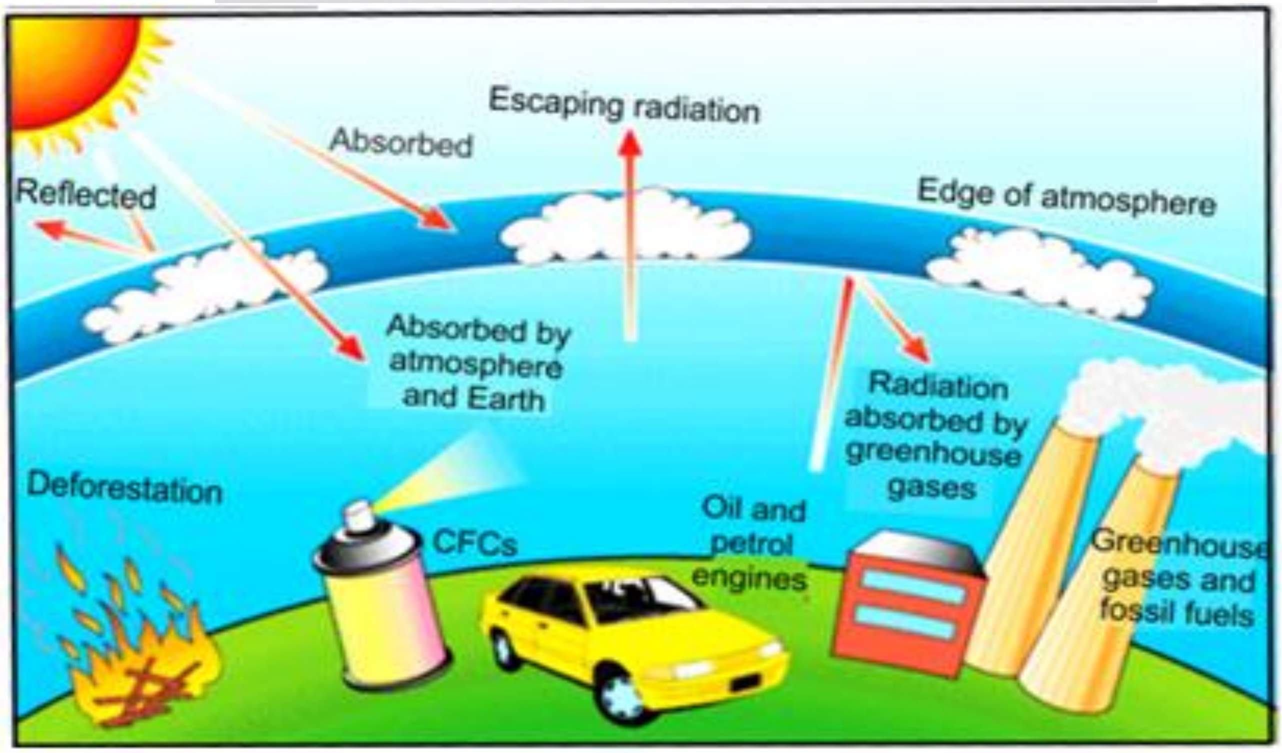
Escaping radiation
Absorbed
Reflected
Edge of atmosphere
Absorbed by atmosphere and Earth
Radiation absorbed by greenhouse gases
Deforestation
CFCs
Oil and petrol engines
Greenhouse gases and fossil fuels

## मुख्य बिन्दु:

SERVICES

### ओज़ोन:

- ओज़ोन (O3) ऑक्सीजन का एक रूप है, जो ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनी है। यह वायुमंडल की दो परतों में पाई जाती है: समताप मंडल (ऊपरी परत) और क्षोभमंडल (जमीन की सतह से 10 किलोमीटर ऊपर तक)।
- समताप मंडल में मौजूद ओज़ोन परत पृथ्वी पर जीवन को सूर्य की पराबैंगनी किरणों से बचाती है।
- क्षोभमंडल में, यह एक वायु प्रदूषक है।
- सुरक्षित ओज़ोन स्तर आठ घंटे के लिए 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर ($\mu g/m^3$) और एक घंटे की सीमा 180 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है।

### धरातलीय ओज़ोन:

- **धरातलीय ओज़ोन एक द्वितीयक (secondary) और वायुमंडल में कम समय तक रहने वाला प्रदूषक है। यह वातावरण में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ हफ्तों तक ही मौजूद रहती है।**
- **उत्तरदायी कारक: यह नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC) के बीच रासायनिक अभिक्रिया से बनती है।**
- **मानव-निर्मित स्रोत: परिवहन, विद्युत संयंत्र, घरेलू गतिविधियां, कृषि संबंधी गतिविधियां आदि।**
- **प्राकृतिक स्रोत: NOx का मृदा-आधारित उत्सर्जन, वनाग्नि के कारण कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और जैवमंडलीय मीथेन उत्सर्जन आदि।**
- **यह धूम-कोहरे (स्मॉग) का मुख्य घटक भी है।**

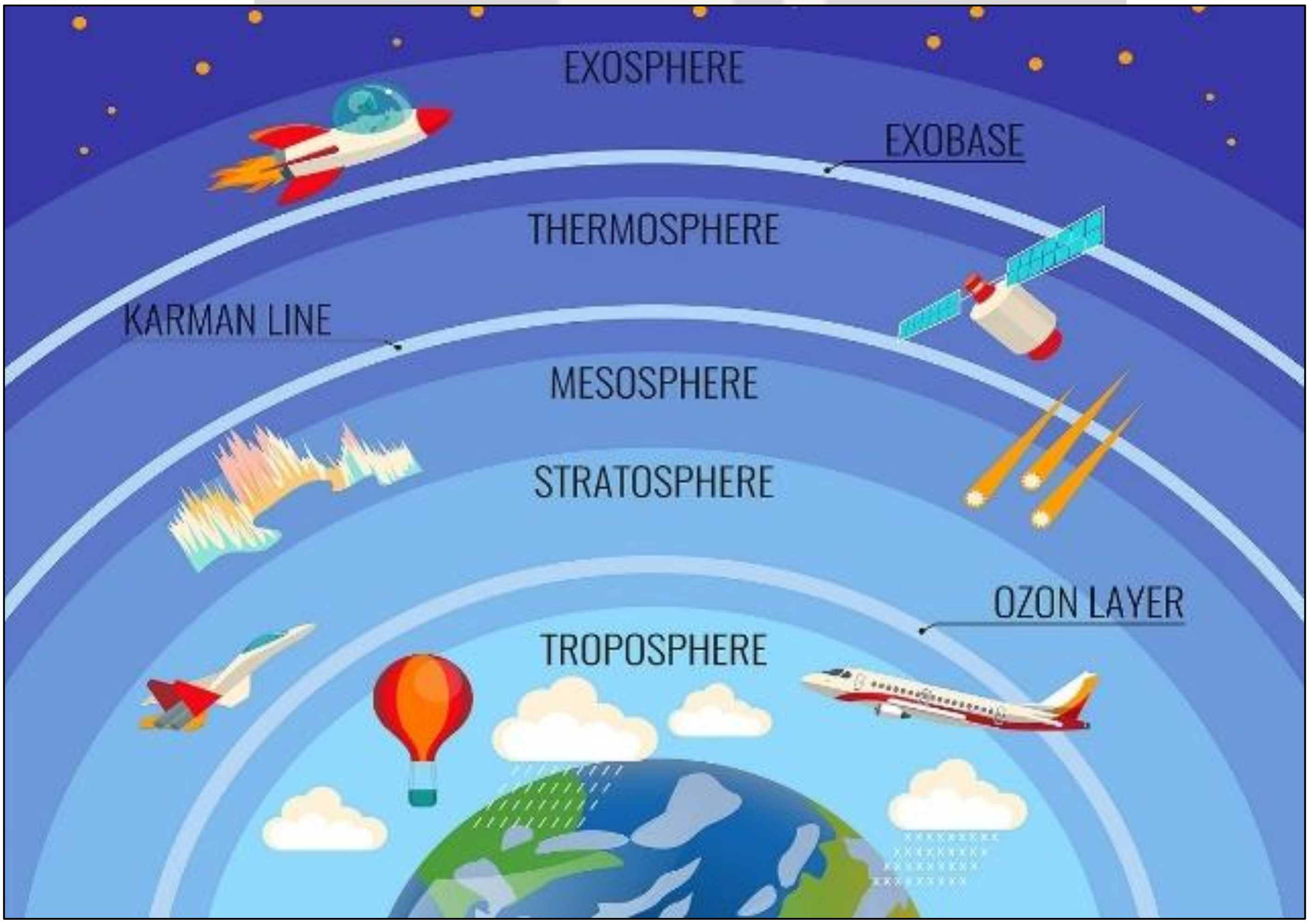
EXOSPHERE
EXOBASE
THERMOSPHERE
KARMAN LINE
MESOSPHERE
STRATOSPHERE
OZON LAYER
TROPOSPHERE

# विज्ञान प्रौद्योगिकी

## स्वदेशी 4G स्टैक

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत ने पहला पूर्णत: स्वदेशी 4G (5G-रेडी) नेटवर्क लॉन्च किया।

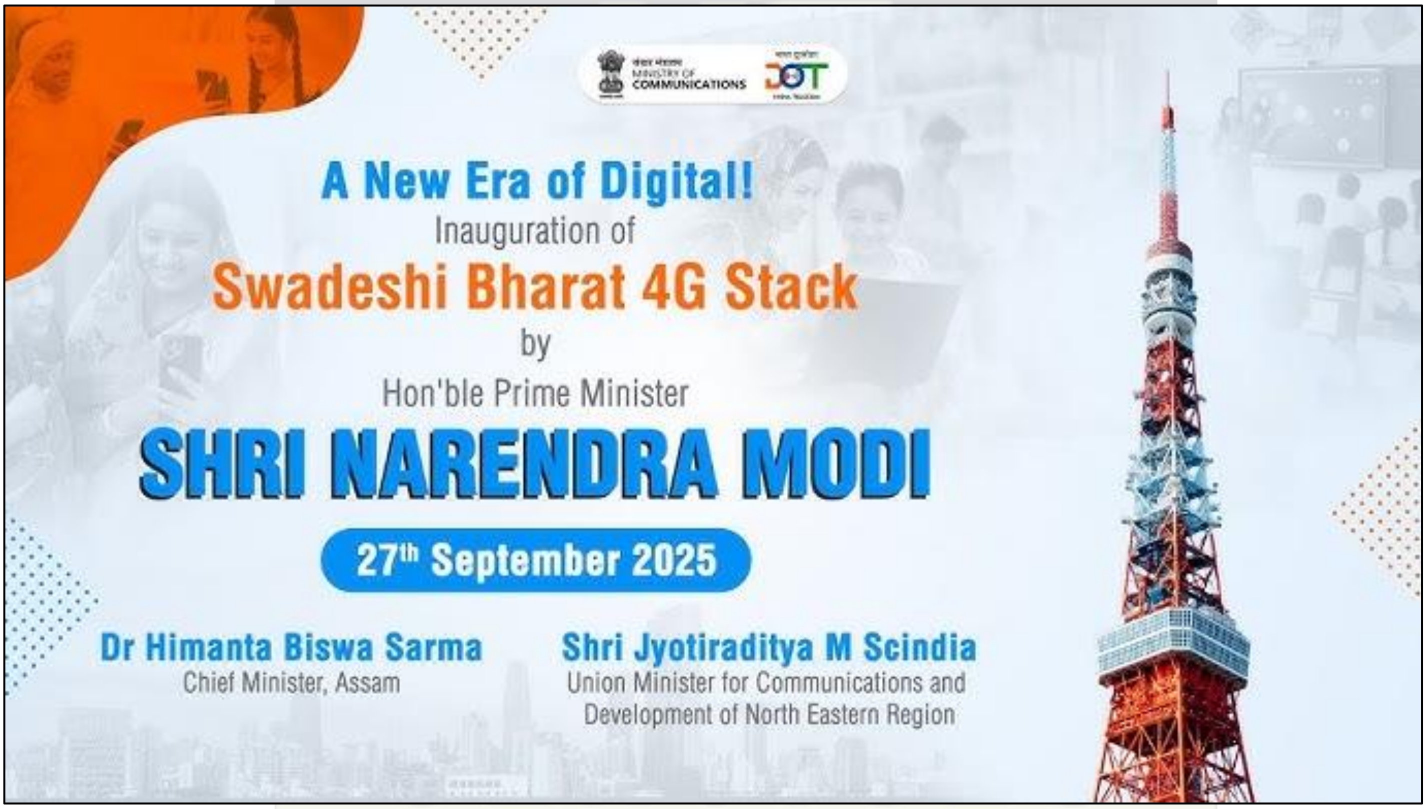

A New Era of Digital!
Inauguration of
Swadeshi Bharat 4G Stack
by
Hon'ble Prime Minister
SHRI NARENDRA MODI
27th September 2025

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

Shri Jyotiraditya M Scindia
Union Minister for Communications and Development of North Eastern Region

### मुख्य बिन्दु:

- इसे BSNL ने C-DOT, तेजस और TCS के सहयोग से विकसित किया गया है।
- इससे भारत को 5G तकनीक को तेजी से अपनाने और भविष्य में 6G की नींव रखने की क्षमता प्राप्त होगी।

### स्वदेशी 4G स्टैक का महत्त्व

- **रणनीतिक स्वायत्तता:** इससे विदेशी तकनीकों एवं विदेशी विक्रेताओं पर निर्भरता घटेगी तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और मजबूत होगी।

- **क्लाउड-नेटिव:** इससे तीव्र अपग्रेड, विस्तार क्षमता और भविष्य में 5G की ओर आसानी से बढ़ने में मदद मिलेगी।
- **सुलभता में सुधार:** आदिवासी क्षेत्रों, दूरदराज के गांवों और पहाड़ी इलाकों में गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी।
- **आपूर्ति श्रृंखला विकास:** इससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी तथा आपूर्तिकर्ता इकोसिस्टम मजबूत होगा।
- **तकनीकी क्षमता:** इस उपलब्धि के साथ भारत अब विश्व के पांच देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास पूर्णतः स्वदेशी 4G सेवाएं शुरू करने की क्षमता है।

### भारत में 5G और 6G तकनीक

- **5G नेटवर्क:** इसे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2022 में लॉन्च किया गया था। वर्तमान में देश के अधिकांश जिलों में यह सेवा पहुँच चुकी है।
- **6G तकनीक:** यह वर्तमान में विकास के चरण में है और इसके वर्ष 2030 तक उपलब्ध होने की संभावना है।
- सरकार ने इसके लिए कई पहलें आरंभ की हैं, जैसे- भारत 6G विज़न, शैक्षणिक संस्थानों में 5G लैब्स की स्थापना (100), इंडिया 6G एलायंस का गठन आदि।

UTKARSH CIVIL SERVICES

# देश का पहला एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान एवं देखभाल केंद्र

## चर्चा में क्यों?

- आयुष मंत्रालय ने 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर गोवा के धारगल स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) में एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान एवं देखभाल केंद्र (IORCC) का शुभारंभ किया।

10th Ayurveda Day
Integrative Oncology Research and Care Centre
All India Institute of Ayurveda

## मुख्य बिन्दु:

- IORCC देश के उन अग्रणी बहु-विषयक केंद्रों में से है, जो आयुर्वेद, योग, फिजियोथेरेपी, आहार चिकित्सा, पंचकर्म और आधुनिक कर्करोग उपचार विज्ञान को एक ही मंच पर समन्वित करता है।

### ऑन्कोलॉजी :

- ऑन्कोलॉजी में कैंसर का अध्ययन किया जाता है। यह शब्द ग्रीक शब्द ट्यूमर या द्रव्यमान से बना है। ऑन्कोलॉजी के चिकित्सा क्षेत्र में कैंसर अनुसंधान, जोखिम और रोकथाम, निदान, उपचार और उत्तरजीविता शामिल है।

ओन्कोलॉजी देखभाल के भी विशेष क्षेत्र हैं। कुछ उदाहरणों में शामिल हैं:

- हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी (रक्त कैंसर जैसे ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मल्टीपल मायलोमा)
- कैंसर के विशिष्ट प्रकार (जैसे स्तन ऑन्कोलॉजी या स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी)
- कैंसर से पीड़ित बच्चे (बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी)
- उत्तरजीविता (उपचार के बाद)

ऑन्कोलॉजी में शामिल प्रक्रियाएँ :

1. **कीमोथेरेपी :** अंतःशिरा (नस में सुई के माध्यम से) शक्तिशाली दवाओं के साथ कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती है।
2. **रेडिएशन थेरेपी :** कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए विकिरण (आमतौर पर उच्च शक्ति वाले एक्स-रे) का उपयोग किया जाता है।
3. **सर्जिकल ऑन्कोलॉजी :** इसमें कैंसरग्रस्त ट्यूमर को हटाया जा सकता है।
4. **हार्मोन थेरेपी :** कैंसर पैदा करने वाले हार्मोन को ब्लॉक करती है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

# सोडार (SODAR)

## चर्चा में क्यों?

- 26 सितंबर, 2025 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के 84वें स्थापना दिवस के अवसर पर, दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) में SODAR (साउंड डिटेक्शन एंड रेंजिंग) प्रणाली का उद्घाटन किया गया।

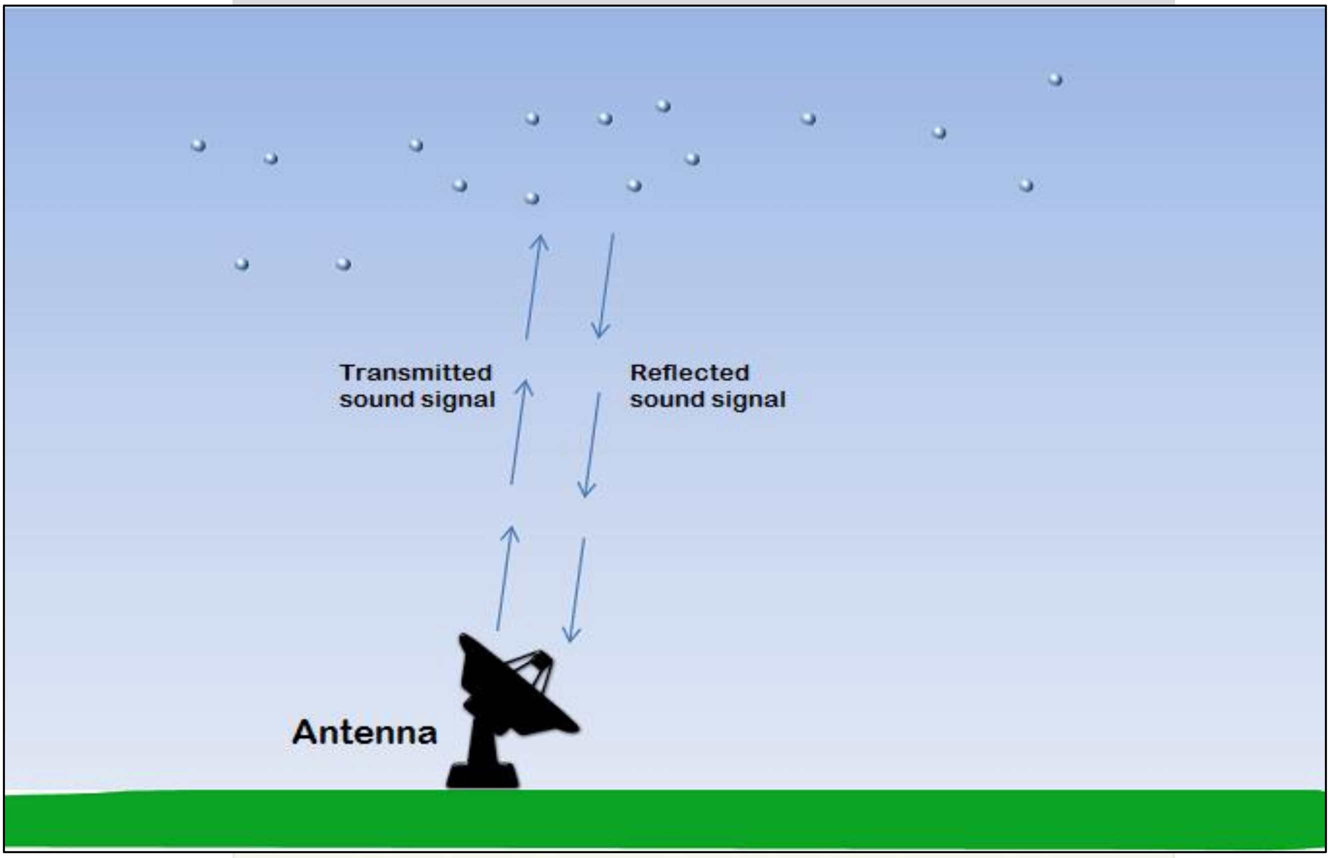

## मुख्य बिन्दु:

- **उद्घाटन :** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, मौसम विभाग और CSIR-AMPRI द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- **विकास :** यह अत्याधुनिक प्रणाली भोपाल स्थित CSIR–एडवांस्ड मटेरियल्स एंड प्रोसेसेज़ रिसर्च इंस्टिट्यूट (AMPRI) द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित की गई है।
- **IMD और CSIR-AMPRI के मध्य समझौता:** CSIR-AMPRI और IMD के मध्य समझौता ज्ञापन (MoU) जिसका उद्देश्य जलवायु और पर्यावरणीय अध्ययन में सहयोग को प्रोत्साहित करना है, विशेषकर मौसम परिवर्तनशीलता, पूर्वानुमान और आपदा जोखिम न्यूनीकरण से जुड़े वैज्ञानिक और सामाजिक विषयों पर।

- **नोट:** वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (Council of Scientific and Industrial Research- CSIR) भारत का सबसे बड़ा अनुसंधान एवं विकास (R&D) संगठन है, जिसकी स्थापना 26 सितम्बर, 1942 में हुई थी।

### SODAR प्रणाली:

- **पूर्ण रूप :** Sound Detection and Ranging ("सोनिक डिटेक्शन एंड रेंजिंग" या "साउंड डिटेक्शन एंड रेंजिंग")।
- **उपनाम :** ध्वनिक रडार, इकोसाउंडर और साउंडर आदि।
- यह एक रडार जैसी प्रणाली है, जो ध्वनि तरंगों के माध्यम से वायुमंडल के निचले स्तरों (800 मीटर ऊपर तक) में हवा की दिशा और गति का मापन करती है। यह तकनीक मौसम, वायु गुणवत्ता, जलवायु अध्ययन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण जैसे क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी है।
- SODAR, लिडार और रडार के समान है, सिवाय इसके कि SODAR में लक्ष्य की विभिन्न विशेषताओं का निर्धारण करने के लिए प्रकाश या रेडियो तरंगों के बजाय ध्वनि तरंगों का उपयोग किया जाता है।

### सोडार के लाभ :

- मापन के लिए कम श्रम लागत
- निरंतर संचालन
- निरंतर माप
- तेज़ स्थापना
- एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन आसान

### सोडार के नुकसान :

- ध्वनि संकेत वायुमंडल में अत्यधिक क्षीण हो जाता है। आवृत्ति बढ़ने पर ध्वनि तरंग का क्षीणन भी बढ़ जाता है।
- पृष्ठभूमि शोर वहाँ उत्पन्न होता है जहाँ SODAR काम कर रहा होता है। SODAR को उन क्षेत्रों में संचालित नहीं किया जाना चाहिए जहाँ शोर का स्तर अधिक हो।

## अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

| RADAR (रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग) | SONAR (साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग) |
|---|---|
| 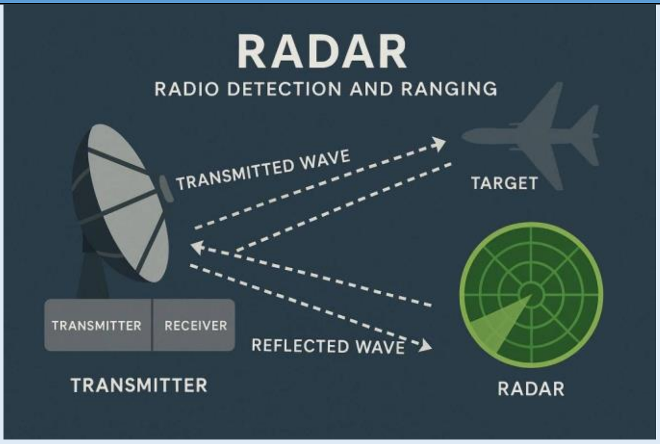 RADAR<br>RADIO DETECTION AND RANGING<br>TRANSMITTED WAVE<br>TARGET<br>TRANSMITTER<br>RECEIVER<br>REFLECTED WAVE<br>TRANSMITTER<br>RADAR | 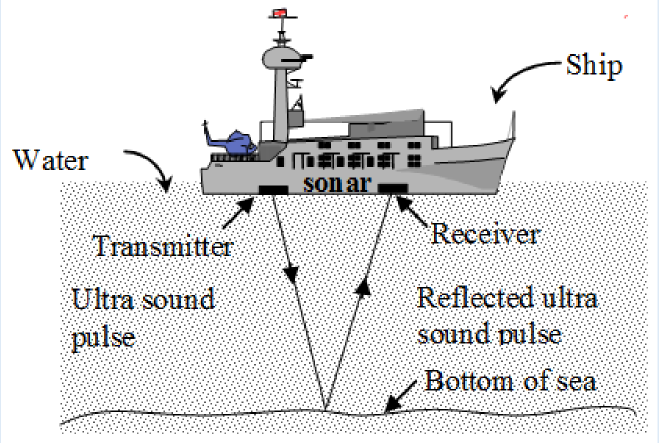 Ship<br>Water<br>sonar<br>Transmitter<br>Receiver<br>Ultra sound pulse<br>Reflected ultra sound pulse<br>Bottom of sea |
| ■ एक डिटेक्शन सिस्टम है जो रेडियो तरंगों का उपयोग करके किसी स्थान के सापेक्ष वस्तुओं की दूरी, कोण और रेडियल वेग निर्धारित करता है ।<br>■ रडार शब्द का आविष्कार वर्ष 1940 में संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना द्वारा रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग के संक्षिप्त रूप में किया गया था। | ■ यह एक ऐसी तकनीक है जो ध्वनि तरंगों का उपयोग करके पानी के नीचे की वस्तुओं का पता लगाती है, उनकी दूरी मापती है और समुद्र तल का नक्शा बनाती है।<br>■ सोनार में पराध्वनिक तरंगों का प्रयोग किया जाता है।<br>■ सोनार का आविष्कार पॉल लैंगविन ने किया था। |
| **अनुप्रयोग :**<br>■ **भूविज्ञान :** भूमि आवरण को आंशिक रूप से भेदने की रडार की क्षमता और सूक्ष्म राहत के प्रति संवेदनशीलता, रडार डेटा को भूगर्भिक मानचित्रण, खनिज अन्वेषण और पुरातत्व में उपयोगी बनाती है।<br>■ **ग्लेशियोलॉजी :** महासागर और बर्फ की घटनाओं की रडार इमेजरी का उपयोग ध्रुवीय बर्फ परिवर्तन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की निगरानी के लिए किया जाता है। | **अनुप्रयोग :**<br>■ **सैन्य:** नौसेनाओं द्वारा पानी के नीचे की वस्तुओं, जैसे पनडुब्बियों और सुरंगों का पता लगाने और उनका स्थान निर्धारित करने के लिए किया जाता है।<br>■ **वाणिज्यिक नौवहन:** सोनार का उपयोग वाणिज्यिक जहाजों द्वारा पानी में चलने और बाधाओं से बचने के लिए किया जाता है। |

- **समुद्र विज्ञान :** हवा और लहरों के मापन, समुद्र की स्थिति , मौसम की भविष्यवाणी, महासागर परिसंचरण, ज्वार-भाटा और ध्रुवीय महासागरों की निगरानी के लिए किया जाता है।
- **जहाज निगरानी :** दिन और रात सभी मौसमों में इमेजिंग प्रदान करने की क्षमता, साथ ही जहाजों और संबंधित तरंगों का पता लगाने की क्षमता, रडार को एक ऐसा उपकरण बनाती है जिसका उपयोग आर्कटिक या उत्तरी अटलांटिक मार्ग जैसे जमे हुए महासागर क्षेत्रों के माध्यम से जहाज नेविगेशन के लिए किया जा सकता है।
- **अपतटीय तेल गतिविधियां और प्रदूषण निगरानी:** अपतटीय ड्रिलिंग रिगों के लिए बर्फ की अद्यतन जानकारी प्रदान करने, ड्रिलिंग और स्थापना कार्यों के लिए मौसम और समुद्री स्थिति का निर्धारण करने और तेल रिसाव का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- **तेल और गैस अन्वेषण:** सोनार का उपयोग समुद्र तल का मानचित्रण करने तथा पानी के नीचे तेल और गैस भंडार का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- **पर्यावरण निगरानी:** सोनार का उपयोग समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य की निगरानी और समुद्री जीवन के व्यवहार का अध्ययन करने के लिए किया जाता है।
- **खोज एवं बचाव:** सोनार का उपयोग डूबे हुए जहाजों, विमानों और अन्य वस्तुओं का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए किया जाता है, जो खोज एवं बचाव दलों के लिए रुचिकर हो सकती हैं।
- **पुरातत्व:** सोनार का उपयोग डूबे हुए जहाजों और ऐतिहासिक या सांस्कृतिक महत्व की अन्य पानी के नीचे की वस्तुओं का पता लगाने और उनका मानचित्र बनाने के लिए किया जाता है।

# महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

## पीएम ई-ड्राइव योजना

### चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए हैं।

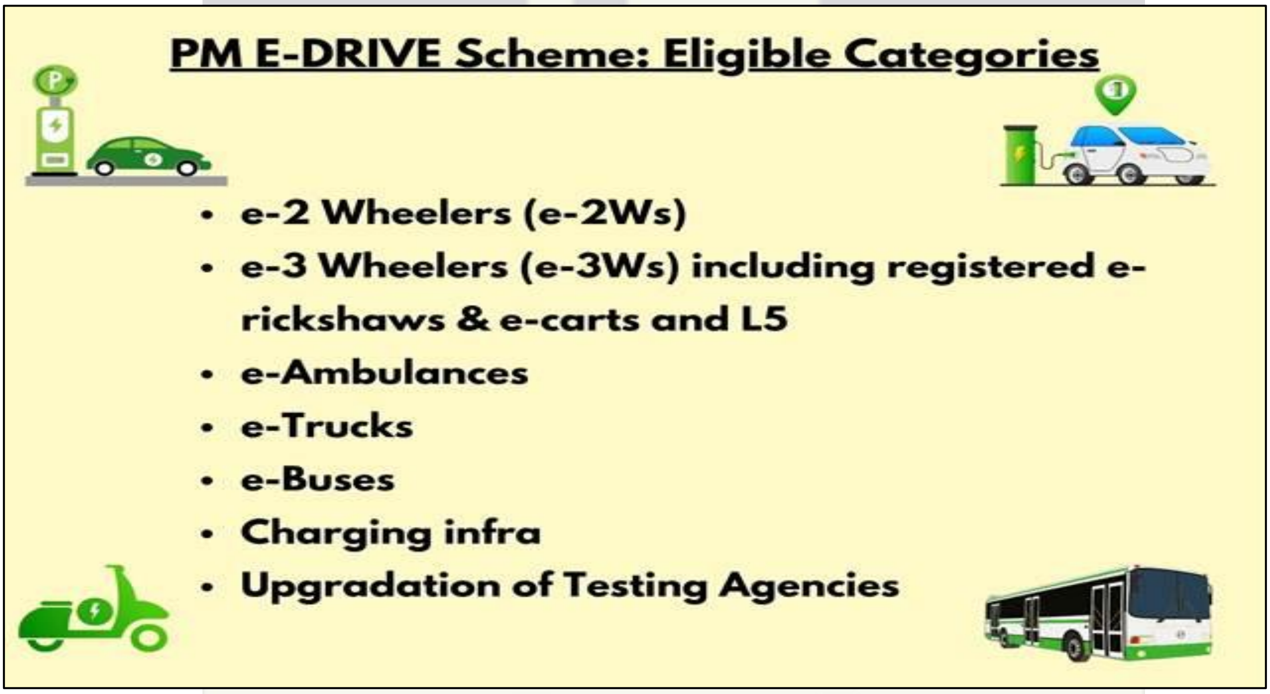

**PM E-DRIVE Scheme: Eligible Categories**

- e-2 Wheelers (e-2Ws)
- e-3 Wheelers (e-3Ws) including registered e-rickshaws & e-carts and L5
- e-Ambulances
- e-Trucks
- e-Buses
- Charging infra
- Upgradation of Testing Agencies

SERVICES

### मुख्य बिन्दु:

**पीएम ई-ड्राइव योजना:**

- **क्रियान्वयन मंत्रालय:** केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय (MHI)
- **उद्देश्य:** देश में इलेक्ट्रिक वाहन (EV) के उपयोग को बढ़ावा देना और आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना, ताकि स्वच्छ और सतत परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जा सके।
- इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, ई-एम्बुलेंस, ई-ट्रक, ई-बस और अन्य नए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सब्सिडी/मांग-आधारित प्रोत्साहन उपलब्ध कराना।
- इलेक्ट्रिक-बस खरीदने, चार्जिंग स्टेशन नेटवर्क स्थापित करने और MHI की परीक्षण सुविधाओं को अपग्रेड करने के लिए वित्तपोषण प्रदान करना।

# आर्थिक परिदृश्य

## वेज एंड मीन्स एडवांस (WMA)

### चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए केंद्र सरकार हेतु वेज एंड मीन्स एडवांस की सीमा निर्धारित की है।

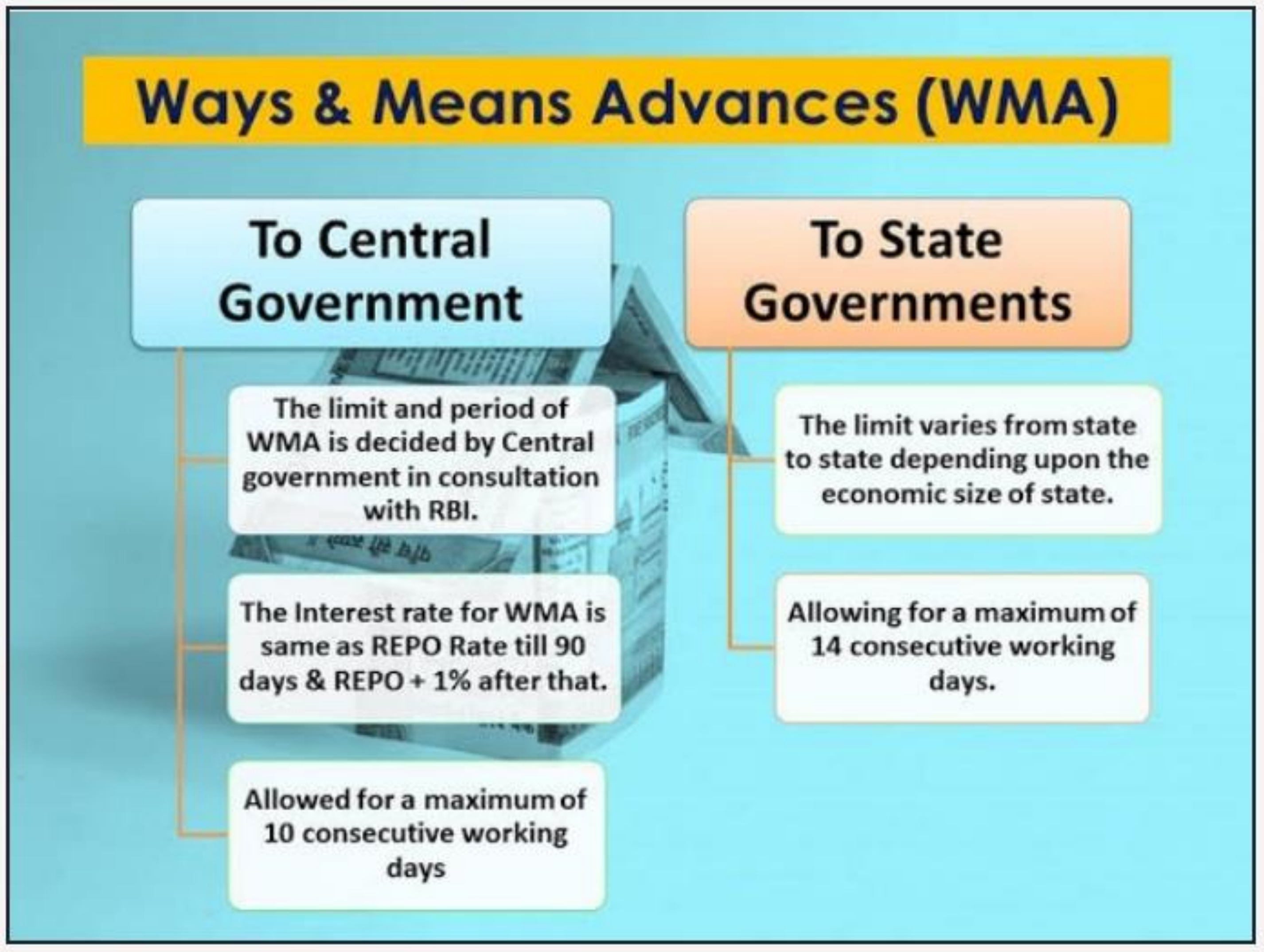

Ways & Means Advances (WMA)

To Central Government

- The limit and period of WMA is decided by Central government in consultation with RBI.
- The Interest rate for WMA is same as REPO Rate till 90 days & REPO + 1% after that.
- Allowed for a maximum of 10 consecutive working days

To State Governments

- The limit varies from state to state depending upon the economic size of state.
- Allowing for a maximum of 14 consecutive working days.

### मुख्य बिन्दु:

- वेज एंड मीन्स एडवांस की सीमा RBI द्वारा केंद्र सरकार के परामर्श से तय की जाती है।

### वेज एंड मीन्स एडवांस (WMA):

- **यह एक अस्थायी अग्रिम है, जो RBI द्वारा केंद्र सरकार को प्राप्तियों और भुगतानों में अस्थायी असंतुलन को दूर करने के लिए दिया जाता है।**
- **एड-हॉक ट्रेजरी बिल्स के विपरीत, WMA का उपयोग राजकोषीय घाटे को वित्तपोषित करने के लिए नहीं किया जाता।**
- **राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी वेज एंड मीन्स एडवांस की सुविधा उपलब्ध है।**
- **कानूनी फ्रेमवर्क: भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, RBI को वेज एंड मीन्स एडवांस प्रदान करने के लिए अधिकृत करता है।**
- **ब्याज दर: वेज एंड मीन्स एडवांस पर ब्याज दर RBI की रेपो दर होती है।**
- **हालांकि, ओवरड्राफ्ट (WMA की ऊपरी सीमा से अधिक एडवांस) पर ब्याज दर रेपो दर से 2% अधिक होती है।**
- **वेज एंड मीन्स एडवांस दिए जाने की तारीख से 3 महीने के भीतर इसका पूरी तरह से भुगतान करना होता है।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

# भारत का राजकोषीय घाटा

## चर्चा में क्यों?

- 30 सितंबर, 2025 को लेखा महानियंत्रक (CGA) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्र का राजकोषीय घाटा अगस्त के अंत तक पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लक्ष्य का 38.1 प्रतिशत रहा।

FISCAL
DEFICIT
$

## मुख्य बिन्दु:

- **राजकोषीय घाटा :** इस वर्ष अप्रैल से अगस्त की अवधि में भारत का राजकोषीय घाटा 5 लाख 98 हजार करोड़ रुपये रहा, जो पूरे वर्ष के लक्ष्य का 38.1 प्रतिशत है।
- 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा, सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये हैं।
- **राजस्व प्राप्तियाँ :** वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केंद्र को कुल 12 लाख 82 हजार करोड़ रुपये से अधिक प्राप्तियां हुई हैं, जो इस वित्त वर्ष के बजट अनुमानों का 36.7 प्रतिशत है, इस वृद्धि को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से लाभांश, मुनाफा और शुल्कों द्वारा समर्थन मिला। इस बढ़ोतरी ने सरकार को अतिरिक्त राजकोषीय स्थान प्रदान किया।

- इसमें कर राजस्व से 8 लाख 10 हजार करोड़ रुपये, गैर-कर राजस्व से 4 लाख 40 हजार करोड़ रुपये और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों के रूप में 31 हजार 9 सौ करोड़ रुपये शामिल हैं।

**व्यय प्रवृत्तियाँ :**

- अप्रैल-अगस्त की अवधि में सरकार का व्यय वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बढ़ रहा है।
- व्यय पक्ष पर, सरकार ने अब तक 18 लाख 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं, जो वर्ष के कुल बजट अनुमानों का 37.1 प्रतिशत है।
- इसमें से 14 लाख 49 हज़ार करोड़ रुपये राजस्व खाते में, ब्याज भुगतान में 5 लाख 29 हज़ार करोड़ रुपये और 1 लाख 50 हज़ार करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी में गए।
- पूंजीगत व्यय ₹4.31 लाख करोड़ तक बढ़ गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह ₹3.01 लाख करोड़ था। यह तीव्र वृद्धि प्रशासन के बुनियादी ढांचे और विकास-नेतृत्व वाले खर्च पर ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करती है।
- **राजकोषीय समेकन :** वित्तीय वर्ष 26 (FY26) बजट ने GDP (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा लक्ष्य निर्धारित किया है। यह वित्तीय वर्ष 25 (FY25) में दर्ज 4.9 प्रतिशत से कम है और धीरे-धीरे समेकन की दिशा में एक मार्ग का संकेत देता है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

# अभियान

## सबकी योजना, सबका विकास अभियान

**चर्चा में क्यों?**

- 2 अक्टूबर, 2025 से पंचायती राज मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जन योजना अभियान (PPC) 2025-26: " सबकी योजना, सबका विकास" अभियान शुरू किया जाएगा, जिससे वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत विकास योजनाओं (PDP) की तैयारी की प्रक्रिया शुरू होगी।

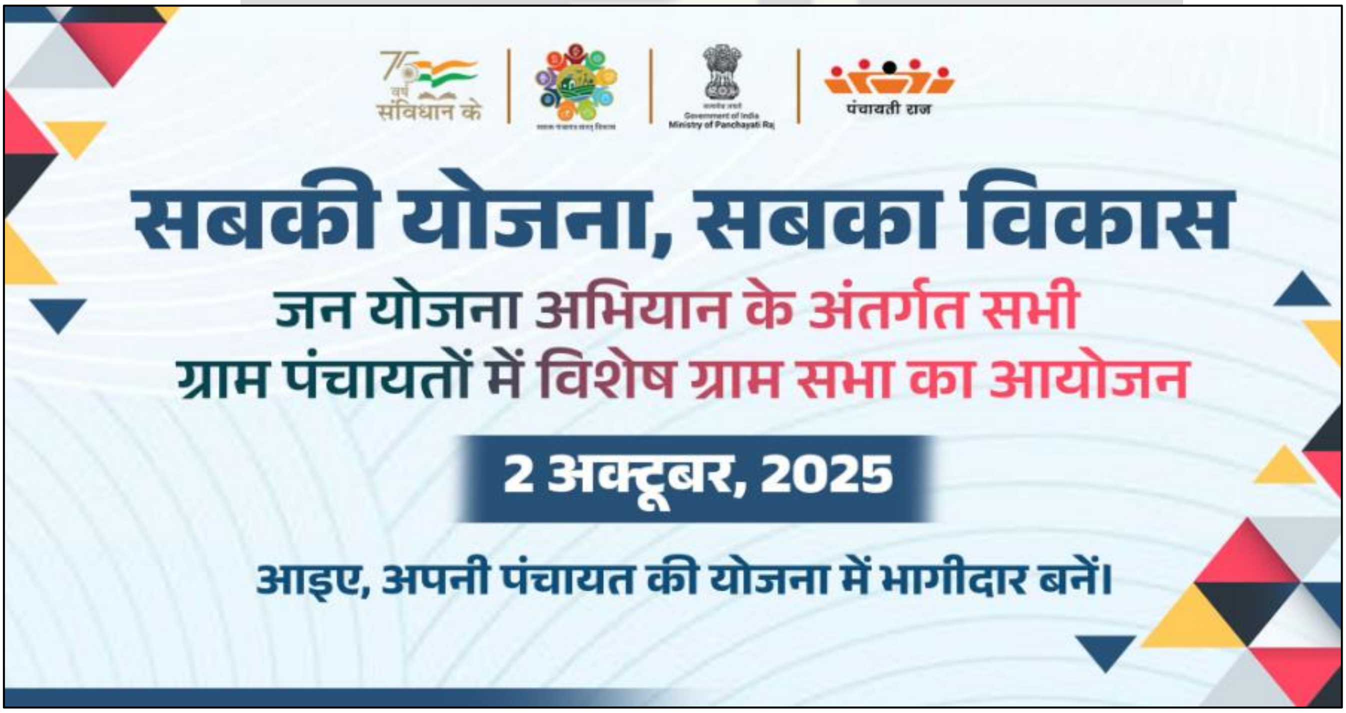
75 वर्ष संविधान के
Government of India
Ministry of Panchayati Raj
पंचायती राज
सबकी योजना, सबका विकास
जन योजना अभियान के अंतर्गत सभी
ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन
2 अक्टूबर, 2025
आइए, अपनी पंचायत की योजना में भागीदार बनें।

**मुख्य बिन्दु:**

- **शुरुआत :** वर्ष 2018
- **उद्देश्य :** स्थानीय शासन को सहभागी, पारदर्शी और मज़बूत बनाना।
- वित्त वर्ष 2026–27 के लिए पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी हेतु 'पीपुल्स प्लान कैंपेन' अभियान शुरू किया गया।

- ग्राम सभाएँ डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म (ई-ग्राम स्वराज, मेरी पंचायत ऐप, पंचायत निर्णय) का उपयोग करके पिछले ग्राम विकास कार्यक्रमों (GPDP) की समीक्षा करेंगी, प्रगति का आकलन करेंगी, देरी का समाधान करेंगी और अप्रयुक्त केंद्रीय वित्त आयोग अनुदानों से अधूरे कार्यों को प्राथमिकता देंगी।
- आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जनजातीय सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे ग्राम सभाएँ राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप समावेशी विकास के लिए निर्णायक मंच बन सकेंगी।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :**

- ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 से अब तक 18.13 लाख से अधिक पंचायत विकास योजनाएं अपलोड की जा चुकी हैं, जिनमें ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (GPDP), ब्लॉक पंचायत विकास योजनाएं (BPDP) और जिला पंचायत विकास योजनाएं (DPDP) शामिल हैं।

UTKARSH CIVIL SERVICES

# महत्त्वपूर्ण दिवस

## अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस : 1 अक्टूबर

### चर्चा में क्यों?

- 1 अक्टूबर, 2025 को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग (DOSJE) द्वारा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, 2025 मनाया गया।
- इस कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्रालय, टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड और बिड़ला ओपन माइंड्स फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गया। इसके साथ ही, पीढ़ियों के बीच आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देने वाला एक खेल, नैतिक पाटम भी लॉन्च किया गया।

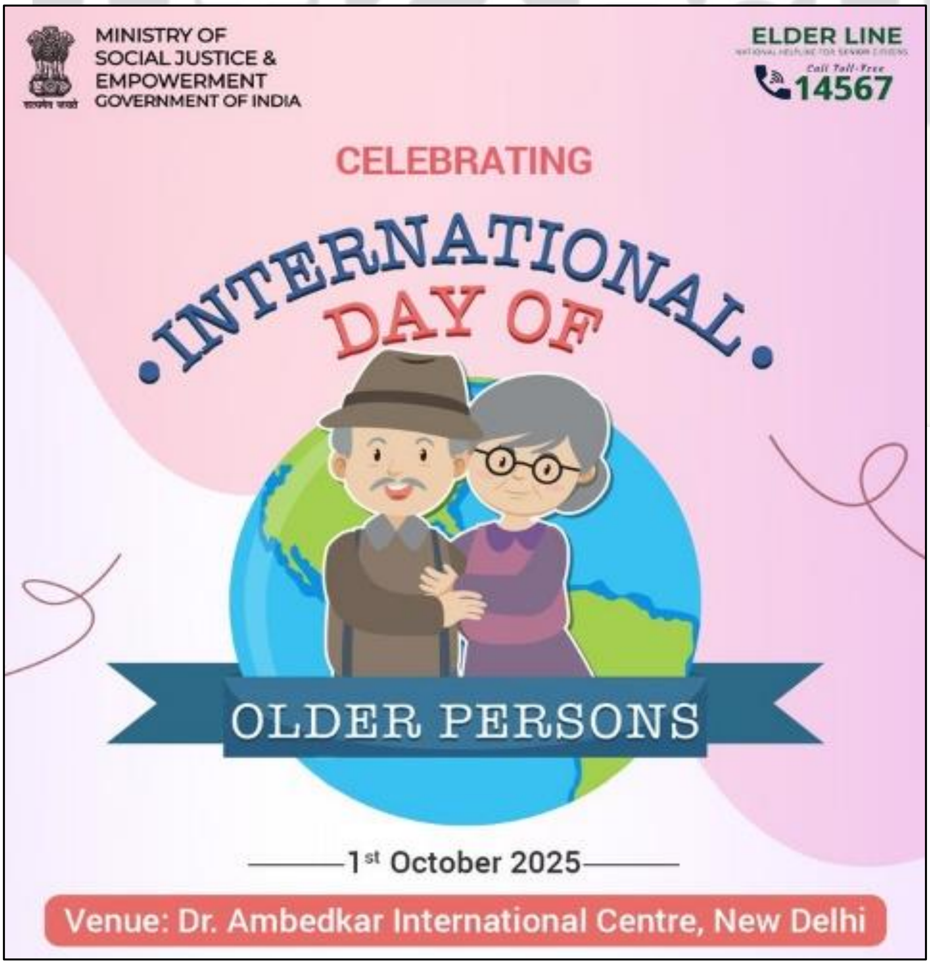
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT GOVERNMENT OF INDIA
ELDER LINE
Call Toll-Free 14567
CELEBRATING
INTERNATIONAL DAY OF
OLDER PERSONS
1st October 2025
Venue: Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi

## मुख्य बिन्दु:

- **वर्ष 2025 का संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का विषय :** "स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजन: हमारी आकांक्षाएँ, हमारा कल्याण और हमारे अधिकार"।

### पृष्ठभूमि

- **वियना अंतरराष्ट्रीय वृद्धावस्था कार्य योजना:** वर्ष 1982 में वृद्धावस्था पर विश्व सभा द्वारा अपनाया गया था और उसी वर्ष बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- 14 दिसंबर, 1990 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस ( संकल्प 45/106 ) के रूप में घोषित किया।
- वर्ष 1991 में, महासभा ने वृद्धजनों के लिए संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों ( संकल्प 46/91 ) को अपनाया। वर्ष 2002 में, वृद्धावस्था पर द्वितीय विश्व सभा ने 21वीं सदी में जनसंख्या वृद्धावस्था के अवसरों और चुनौतियों का सामना करने और सभी आयुवर्गों के लिए एक समाज के विकास को बढ़ावा देने के लिए मैड्रिड अंतरराष्ट्रीय वृद्धावस्था कार्य योजना को अपनाया।
- पहली बार यह दिवस 1 अक्टूबर, 1991 को मनाया गया।
- वर्ष 1999 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन वर्ष के रूप में मनाया गया।

### अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- अप्रैल, 2025 में, मानवाधिकार परिषद ने 81 सदस्य देशों के समर्थन से प्रस्ताव 58/13 को अपनाकर इस एजेंडे को आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करने हेतु एक मुक्त कार्य समूह की स्थापना करना था।
- वृद्ध लोगों (जिन्हें 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के रूप में परिभाषित किया गया है) की संख्या वर्ष 1980 में लगभग 260 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2021 में 761 मिलियन हो गई है।
- वर्ष 2021 और 2050 के मध्य, वृद्ध आबादी का वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 17 प्रतिशत होने का अनुमान है।

# विश्व पर्यटन दिवस, 2025 : 27 सितम्बर

## चर्चा में क्यों?

- 27 से 29 सितम्बर, 2025 तक मलक्का (मलेशिया) में विश्व पर्यटन दिवस और विश्व पर्यटन सम्मेलन (WTC), 2025 का आयोजन किया गया।

27 सितंबर : 'विश्व पर्यटन दिवस'

## मुख्य बिन्दु:

- **विश्व पर्यटन दिवस, 2025 का विषय :** ‘पर्यटन एवं सतत परिवर्तन’ (Tourism and Sustainable Transformation)।
- **उद्देश्य :** पर्यटन के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को आगे बढ़ाना।
- वर्ष 1970 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा अपने संविधान अंगीकृत की स्मृति में आयोजित किया जाता है।
- **पहली बार आयोजन :** वर्ष 1980

SERVICES

### अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- पर्यटन वैश्विक GDP का 10 प्रतिशत से अधिक योगदानकर्त्ता है।

### भारत के लिए पर्यटन के मायने :

| | |
|---|---|
| आर्थिक योगदान | ■ भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक $32 ट्रिलियन तक पहुँचने की संभावना है, वर्तमान में पर्यटन का भारत की अर्थव्यवस्था में 5 से 6 प्रतिशत योगदान हैं।<br>■ यात्रा और पर्यटन भारत का सबसे बड़ा सेवा उद्योग हैं जिसने 2023–24 में कुल अर्थव्यवस्था का 5.22 प्रतिशत योगदान दिया हैं।<br>■ विदेशी मुद्रा के साथ पर्यटन ने कुल रोजगार का 13.34 प्रतिशत रोजगार सृजन में योगदान दिया हैं। |
| पर्यटक आगमन और धरोहर संरक्षण | ■ अगस्त, 2025 तक भारत में लगभग 56 लाख विदेशी पर्यटक आगमन (FTA) और 303.59 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राएँ दर्ज की गईं, वहीं, इसी अवधि में भारत से बाहर जाने वाले पर्यटकों की संख्या 84.4 लाख रही। |
| वैश्विक मान्यता और सॉफ्ट पावर कूटनीति | ■ भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं और सांस्कृतिक व प्राकृतिक आकर्षणों की विविधता है। |
| वैश्विक रैंकिंग | ■ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के ट्रैवल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इंडेक्स, 2024 के अनुसार भारत 119 देशों में 39वें स्थान पर है। |
| प्रमुख राज्य और पर्यटन स्थल | ■ उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में अग्रणी है, तथा ताजमहल भारत का सबसे अधिक देखा जाने वाला ASI टिकट वाला स्मारक है। |

SERVICES

### भारत सरकार के प्रयास :

| प्रयास | शरूआत | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| प्रसाद योजना (PRASHAD) | 2014-15 | ■ **प्रमुख स्थल:** त्रिपुर सुंदरी मंदिर, पटना साहिब, सोमनाथ, हजरतबल दरगाह आदि। |
| स्वदेश दर्शन योजना | 2014-15 | ■ **76 परियोजनाएँ स्वीकृत, स्वदेश दर्शन 2.0 (SD 2.0) ;** वर्ष 2023 तथा 52 परियोजनाएँ स्वीकृत ; बौद्ध सर्किट (बोधगया), उत्तर-पूर्व सर्किट (अरुणाचल प्रदेश), वन्यजीव सर्किट (असम), हिमालयन सर्किट (हिमाचल) आदि शामिल। |
| देखो अपना देश | 2020 | ■ People’s Choice Poll के माध्यम से नागरिकों की भागीदारी। |
| वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (VVP) | VVP-I: 2023 और VVP-II: 2025 | ■ **उद्देश्य:** सीमावर्ती गाँवों में पर्यटन, कौशल एवं रोजगार आदि। |
| SASCI योजना | जुलाई, 2025 | ■ **पूरा नाम ;** Special Assistance to the States for Capital Investment<br>■ **उद्देश्य:** विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों का विकास। |
| MICE पर्यटन | - | ■ **MICE ;** Meetings, Incentives, Conferences, Exhibitions<br>■ भारत को वैश्विक MICE गंतव्य बनाने की दिशा में रोडमैप।<br>■ 10 भारतीय शहरों को वैश्विक स्तर पर उन्नत करने का लक्ष्य। |

# India's Diverse Tourism Landscape

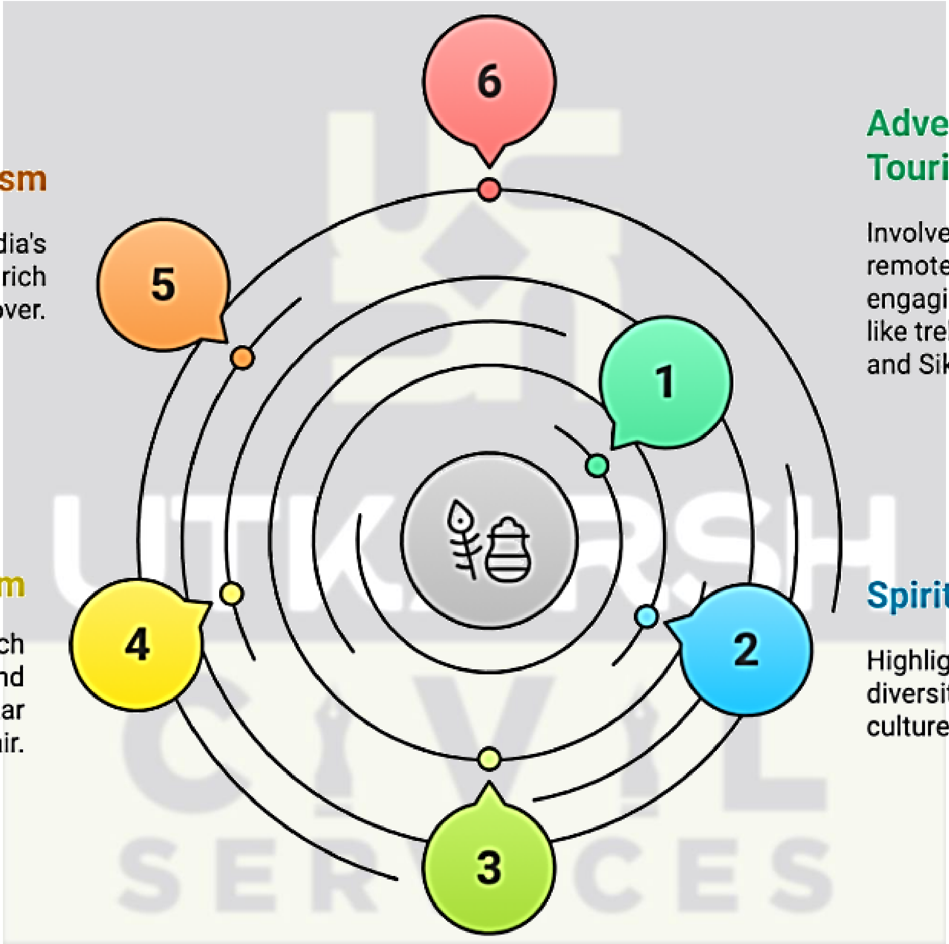

**Medical Tourism**

Attracts tourists for cost-effective and high-quality healthcare.

**Wildlife Tourism**

Showcases India's exotic wildlife and rich forest cover.

**Adventure Tourism**

Involves exploring remote areas and engaging in activities like trekking in Ladakh and Sikkim.

**Cultural Tourism**

Emphasizes India's rich cultural heritage and festivals like Pushkar fair.

**Spiritual Tourism**

Highlights India's unique diversity of religions and cultures.

**Beach Tourism**

Focuses on India's vast coastline and islands, attracting tourists to Kerala and Goa.

# ✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **RBI की नई योजना**<br> <br>■ भारतीय रिज़र्व बैंक ने "निष्क्रिय खातों और दावा न की गई जमाराशियों के लिए त्वरित भुगतान की सुविधा" नामक एक योजना की घोषणा की है।<br>■ **शुरुआत :** 30 सितंबर, 2025<br>■ **अवधि :** एक वर्ष (30 सितंबर, 2026 तक)।<br>■ **योजना का उद्देश्य :** मौजूदा दावारहित जमाराशियों के भंडार और DEA कोष में नए प्रवाह में वृद्धि, दोनों को कम करना।<br>■ इसी प्रकार भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को ग्राहकों/जमाकर्ताओं से उनके निष्क्रिय खातों को पुनः सक्रिय कराने और जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष में पड़ी उनकी दावारहित राशि वापस दिलाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। |

## 2. ICAO की परिषद में भारत, पुनः निर्वाचित

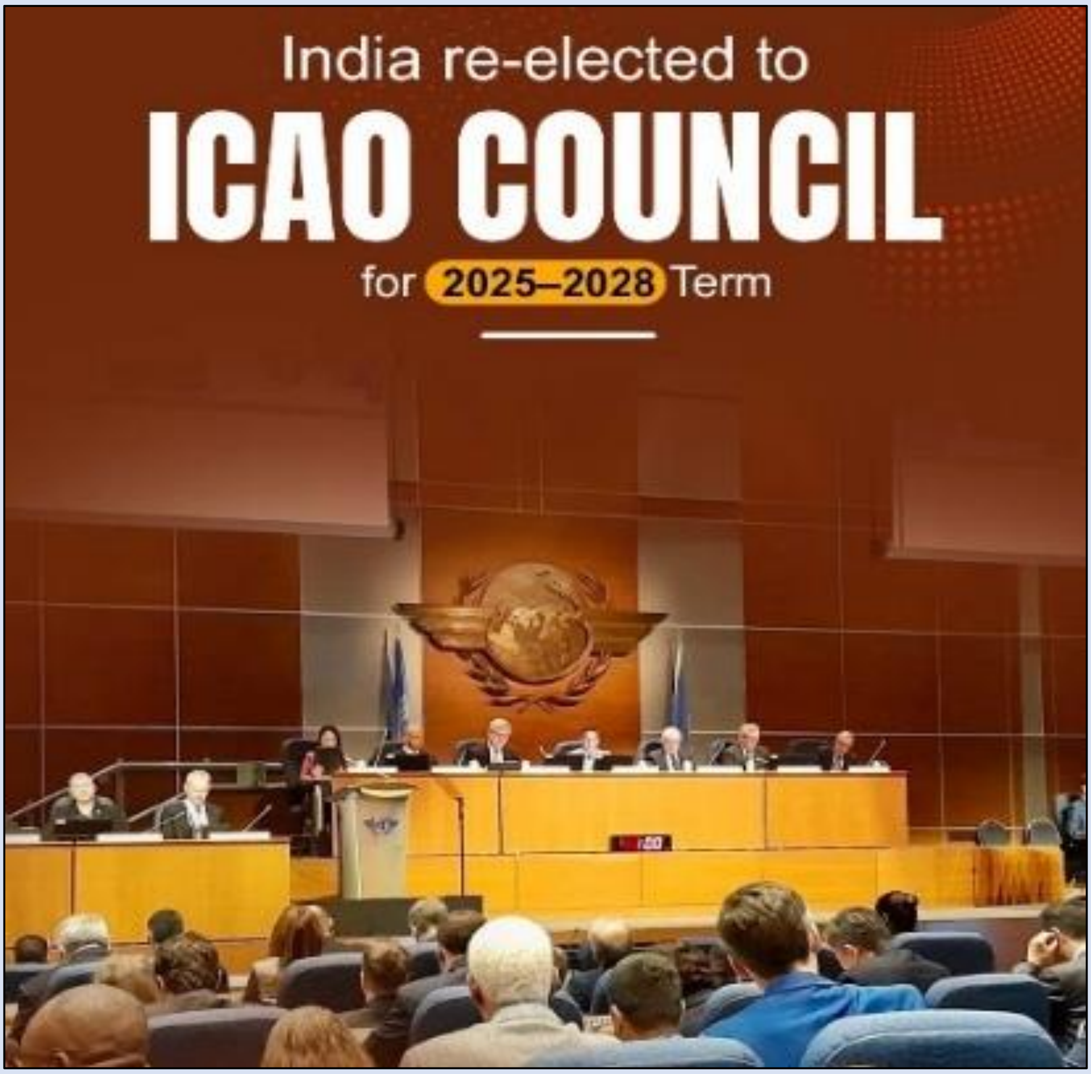

- भारत को अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) की परिषद के भाग II के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है, जो एक विशिष्ट संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है।
- भाग II में वह देश शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय नागरिक हवाई नौवहन के लिए सुविधाओं के प्रावधान में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं।
- **चुनाव :** 27 सितंबर, 2025 को कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित 42वें ICAO सभा सत्र के दौरान हुआ।